

लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण, सीएम हेल्पलाइन के संतुष्टिपूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

पुलिस कप्तान ने किया रांझी थाना का वार्षिक निरीक्षण

रिकॉर्ड से लेकर हवालात तक परखी व्यवस्थाएं

हरिभूमि, जबलपुर।

पुलिस कप्तान सम्मत उपाध्याय ने शनिवार को थाना रांझी का वार्षिक निरीक्षण कर पुलिस कार्यप्रणाली की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हवालात, मालखाना, जल्दी माल, आम्स एवं एम्यूनेशन, राइट ड्रिल सामग्री तथा थाने में संचारित विभिन्न रजिस्ट्रों का गहन परीक्षण किया और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस दौरान सीएसपी रांझी सतीश कुमार साहू एवं टीआई उमेश गोल्हानी मौजूद रहे।

एक-एक रजिस्टर खंगाला

निरीक्षण के दौरान कप्तान उपाध्याय ने मालखाने में रखे जल्दी माल एवं हथियारों के रखरखाव की स्थिति देखी तथा यह भी परखा कि थाने के सभी आवश्यक रजिस्टर समय पर अद्यतन किए जा रहे हैं या नहीं। उन्होंने लंबित अपराधों की समीक्षा करते हुए विवेचनाओं का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साइबर प्रकरणों का शीघ्र हो निपटारा

साइबर हेल्प डेस्क का निरीक्षण करते हुए कप्तान ने साइबर ठगी, सोशल मीडिया फ्रॉड, मोबाइल गुम होने सहित अन्य साइबर अपराधों से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निस्तारण प्राथमिकता से करने पर जोर दिया।

नहीं होगी लापरवाही बर्दाश्त

परेशानी में सीधे करें संपर्क

कप्तान उपाध्याय ने अधिकारियों और कर्मचारियों को महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ तत्काल वैधानिक कार्रवाई कर पीड़ितों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के अंत में कप्तान ने पुलिसकर्मियों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली और भरोसा दिलाया कि उनकी जायज समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। थाने के निरीक्षण के बाद उन्होंने थाना परिसर का भी अवलोकन कर साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अदालत ने मुआवजा देने का आदेश सुनाया

दो लाख के चेक बाउंस मामले में दंपति दोषी

जबलपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऋषिराज मिश्रा की अदालत ने चेक बाउंस के एक मामले में सदर बाजार, जबलपुर निवासी अभिषेक विनोदिया को चेक राशि के संबंध में राशि अदा करने का आदेश दिया है। कुल तीन लाख 26 हजार देने होंगे। परिवादी के अधिवक्ता संदेश दीक्षित के अनुसार दोनों पक्षों के बीच टेंट हाउस के सामान का दो लाख में सौदा हुआ था। परिवादी अभिषेक विनोदिया ने 13 दिसंबर, 2017 को एक लाख नकद व 50-50 हजार के दो बैंक चेक देकर कुल दो लाख का भुगतान किया।

इसके बाद अभियुक्तों ने दायित्व के निर्वहन के लिए दो लाख का चेक जारी किया, लेकिन बैंक में प्रस्तुत करने पर खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण चेक अनादरित हो गया। परिवादी ने विधि अनुसार लीगल नोटिस भेजा। इसके बावजूद जबलपुर निवासी अभिषेक विनोदिया को चेक राशि के संबंध में राशि अदा करने का आदेश दिया गया। इसके बाद न्यायालय में परिवाद दायर किया गया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दस्तावेजी व मौखिक साक्ष्यों का परीक्षण करते हुए पाया कि अभियुक्त चेक जारी करने से जुड़े वैधानिक दायित्व का खंडन नहीं कर सके। अदालत ने दोषी करार देते हुए विधि के अनुरूप सजा व तीन लाख 26 हजार रुपये प्रतिकर का आदेश पारित किया।

एमपी-एमएसयू विभाजन के विरोध में मौन धरना, राज्यपाल से प्रस्ताव मंजूर न करने की अपील

जबलपुर। मप्र मेंडिकल साइंस यूनिवर्सिटी (एमपीएमएसयू) के प्रस्तावित विभाजन के विरोध में शनिवार को नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने टाउन हॉल स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष मौन धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने “गांधी जी, जबलपुर को बचाइए” का संदेश देते हुए राज्यपाल से विभाजन संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी नहीं देने की मांग की। मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने कहा कि एमपीएमएसयू विभाजन का प्रस्ताव विधानसभा से पारित होकर राज्यपाल के पास भेजा गया है। उन्होंने आपत्त लगाया कि प्रस्ताव में जबलपुर के साथ भेदभाव किया गया है। उनके अनुसार उज्जैन को 6 संभाग और 31 जिले, जबकि जबलपुर को 4 संभाग और 24

जिले दिए गए हैं, जबकि क्षेत्रफल एवं जनसंख्या की दृष्टि से जबलपुर बड़ा क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि विभाजन से जबलपुर की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक पहचान प्रभावित हो सकती है। जन संगठनों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राज्यपाल से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। धरने में स्वगत भार्गव, टी.के. राजपूतक, एडवोकेट वेदप्रकाश अधोलिया, सुभाष चंद्रा, सुशीला कर्नोजिया, गीता पांडे, डी.के. सिंह, संतोष श्रीवास्तव, पी.एस. राजपूत, माया कुशवाहा, यशवंत कोष्टा, बी.एल. कमलाकर, के.टी. सोनी, उमा दाहिया, पूर्णिमा नायडू, एडवोकेट बुजेश साहू, श्याम सोलंकी, कंचन पटेल, अशोक यादव, अनिल गुप्ता एवं राममिलन शर्मा सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्टेडियम की सफाई में लापरवाही पर एजेंसी पर ठोका 5 हजार का फाइन

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने गोहलपुर पुलिस निर्माण कार्य के निरीक्षण के साथ राइट टाउन स्टेडियम का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थल पर गंदगी एवं सी.एन.डी. मटेरियल पाए जाने पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर परिसर की सफाई हेतु अनुबंधित एजेंसी ‘कोन्तेय वेंचर्स’ के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए मौके पर ही 5 हजार रुपये का सफाई फाइन वसूल किया गया।

निगमायुक्त ने स्पष्ट किया है कि खेल परिसरों की स्वच्छता एवं

सौंदर्यीकरण से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

तापमान में उछाल से फिर बढ़ी गर्मी

गत वर्ष के मुकाबले पिछड़ गई बारिश

जबलपुर। मौसम के तेवर कुछ समझ में नहीं आ रहे हैं कभी तेज धूप तो कभी बादलों के बीच उमस और गर्मी से यह एहसास ही नहीं हो रहा है कि यह आषाढ़ का महिना है। मानसून की हलचल बंगाल की खाड़ी में हो रही है और मानसून उड़ीसा तक पहुंच चुका है। एक बार फिर मानसून के सक्रिय होने में एकआद हफ्ते का वक्त लग सकता है। आषाढ़ का महिना सूखा-सूखा बीतने से बारिश का आंकड़ा अब गत वर्ष के मुकाबले पिछड़ चुका है। गत वर्ष आषाढ़ के महिने में झमाझम बारिश हुई। इस वर्ष शुरुआत के तीन चार दिनों में बारिश होने के बाद

मानसून रुठ गया। तब से स्थानीय बादल ही छुटपुट बरस रहे हैं। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार मानसून के नए सिस्टम के आगमन की आहट सुनाई देने लगी है। बंगाल की खाड़ी में बना नया सिस्टम उड़ीसा तक पहुंच चुका है। जिसके

मध्यप्रदेश तक आने में 4-5 दिन का वक्त लग सकता है। फिलहाल बारिश नहीं होने से तापमान बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 24.8

बरगी के चौथई गांव में तेंदुए का आतंक चार माह से दहशत में ग्रामीण

जबलपुर। बरगी वन परिक्षेत्र के चौथई गांव में पिछले चार महीनों से तेंदुए की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। सूर्यास्त के बाद गांव में सन्नाटा छा जाता है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं, वहीं किसान भी खेतों तक जाने में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। वन परिक्षेत्र की धनगवां बीट से लगे आदिवासी बहुल चौथई गांव में तेंदुआ कई पालतू मवेशियों को अपना शिकार बना चुका है। ग्रामीणों के अनुसार बसोर सिंह और पर्वत सिंह के बछड़ों सहित अन्य पशुओं की मौत से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। हाल ही में तेंदुआ बुजुर्ग गुमान सिंह और मंगो बाई के खेत स्थित घर तक पहुंच गया और पालतू कुत्ते को उठाने का प्रयास किया। शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार वन विभाग

और प्रशासन को सूचना देने के बाद भी अब तक स्थायी निगरानी या प्रभावी रेस्क्यू व्यवस्था नहीं की गई है। उनका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ी जनहानि हो सकती है।

जिले के कई क्षेत्रों में तेंदुओं की सक्रियता

बरगी के अलावा सिहोरा, पाटन, खमरिया, डुमना, मझौली और कटेगी सहित आसपास के वन क्षेत्रों में भी तेंदुओं की सक्रियता

सामने आ रही है। गौरहा बीट में भी लगातार मूवमेंट दर्ज किया गया है। गौरहा और चौथई के बीच कम दूरी होने से तेंदुओं का गांवों और खेतों की ओर आना-जाना बढ़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त, कैमरा ट्रैप, त्वरित रेस्क्यू टीम, ग्रामीणों के लिए अलर्ट सिस्टम और जागरूकता अभियान जरूरी हैं। ग्रामीणों ने वन्यजीव संरक्षण के साथ मानव सुरक्षा को प्राथमिकता देने की मांग की है।

मानतलैया में जुआ फड़ पर पुलिस का छापा

जबलपुर। मानतलैया शराब दुकान के पास जुआ फड़ पर पुलिस ने छापेमारी कर 10 जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान मौके से 40 हजरी 550 नकद, 9 मोबाइल फोन और ताश की 4 गड्डियां जब्त की गईं। बेलबाग थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटकर ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर संदीप चौधरी, निकेश सोनकर, सुरेन्द्र चौधरी, अमन सोनकर, नरेश बर्मन, मनोज चौधरी, राकेश चौधरी, आकाश चौधरी, नरेन्द्र चौधरी, धमनंद चौधरी को जुआ खेलते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

अतिक्रमण पर निगम ने की कार्रवाई, कई वाहनों की भी हुई जल्ती

जबलपुर। शहर को व्यवस्थित, स्वच्छ एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल के नेतृत्व में बस स्टैंड एवं स्टेडियम क्षेत्र में अतिक्रमण और गंदगी के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक मार्गों पर बेतरतीब खड़े वाहनों को जब्त किया गया, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ।

अभियान के दौरान स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले होटल एवं रेस्तरां संचालकों के खिलाफ मौके पर चालानी कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया। नगर निगम की टीम ने क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के साथ ही स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। कार्रवाई में नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल

के साथ सहायक अतिक्रमण अधिकारी टिप्पें रावत, अतिक्रमण दल, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी पोलाराव, अनंत दुबे, प्रभारी स्वास्थ्य निरीक्षक किशन दुबे, स्वच्छता टीम, पुलिस बल एवं ट्रैफिक पुलिस का सहयोग रहा। नगर निगम मजिस्ट्रेट ने कहा कि

सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण करने और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने नागरिकों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों से शहर की स्वच्छता और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

गूगल से डॉक्टर का नंबर तलाशना पड़ा महंगा

एपीके फाइल खोलते ही खाते से उड़ गए 1.50 लाख रुपये

जबलपुर। साइबर टग अब इंटरनेट पर उपलब्ध मोबाइल नंबरों के जरिए लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। रांझी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को गूगल से डॉक्टर का नंबर सर्च कर संपर्क करना महंगा पड़ गया। ठगों ने फर्जी टोकन के नाम पर एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक किया और बैंक खाते से 1.50 लाख रुपये निकाल लिए।

पुलिस के अनुसार बापूनगर निवासी दीपक कुमार रजक ने 14 जुलाई को अपनी सास उमा रजक की तबीयत खराब होने पर गूगल से डॉ. परमल स्वामी का नंबर खोजकर कॉल किया। कॉल नहीं लगने पर दोबारा संपर्क करने पर सामने वाले व्यक्ति ने खुद को क्लॉनिक कर्मचारी बताते हुए मरीजों की भीड़ अधिक होने और टोकन के लिए 5 रुपये

ऑनलाइन भुगतान करने की बात कही। इसके बाद ठग ने व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजकर उसे डाउनलोड करने और फॉर्म भरने के लिए कहा। दीपक द्वारा फाइल खोलने के बाद भुगतान प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। बाद में 50 रुपये भुगतान करने के लिए कहा गया, लेकिन वह भी सफल नहीं हुआ। इसके बाद कॉल बंद कर दी गई। घटना के पांच दिन बाद 19 जुलाई को दीपक के इंडियन बैंक खाते से दो ट्रॉजेंकान में कुल 1.50 लाख रुपये निकल गए। आशंका है कि एपीके फाइल के माध्यम से मोबाइल की जानकारी हासिल कर साइबर ठगों ने वारसा को अंजाम दिया। रांझी पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सालीवाड़ा हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार, हुलिया बदलकर छिप रहा था घनश्याम केवट

जबलपुर। बरगी थाना क्षेत्र के ग्राम सालीवाड़ा में हुए चर्चित नमामि यादव हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी घनश्याम केवट को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद आरोपी पहचान छिपाने के लिए हुलिया बदलकर अलग-अलग स्थानों पर छिप रहा था, लेकिन पुलिस की तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की मदद से उसे तिलवारा घाट के पास घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले सालीवाड़ा गांव के चौराहे पर बैठने को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने 30 वर्षीय नमामि यादव पर चाकू से हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल नमामि की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया था। गिरफ्तारी के बाद बरगी पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल एवं आसपास के प्रमुख मार्गों से पैदल ले जाकर जुलूस निकाला। पुलिस ने बताया कि कार्रवाई का उद्देश्य अपराधियों में कानून का भय बनाए रखना और आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करना है। थाना प्रभारी निलेश दोहर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है। मामले की विवेचना जारी है।

गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन, राम और कृष्ण अवतार की कथाओं का हुआ भावपूर्ण निरूपण

श्रीमद्भागवत
ज्ञान यज्ञ
सप्ताह के
चौथे दिन

अहंकार रूपी गज का उद्धार कर भक्त का कल्याण करते हैं भगवान: ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी

हरिभूमि, जबलपुर।

श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर श्रद्धालु भक्ति और आध्यात्मिक रस में सराबोर हो गए। कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण एवं सरल शैली में वर्णन करते हुए बताया कि भगवान अपने भक्तों के प्रेम के पराधीन होते हैं। सच्ची श्रद्धा, समर्पण और निष्काम भक्ति से ही ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है हमारा अहंकार ही गज है-

कथा के दौरान महाराज श्री ने गजेन्द्र मोक्ष प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि हमारा अहंकार ही गज है। जब मृत्यु रूपी ग्राह इस अहंकार को पकड़ लेता है, तब भगवान अपने भक्त का उद्धार कर उसके अहंकार का नाश कर देते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अभिमान त्यागकर प्रभु की शरण में जाना चाहिए, क्योंकि ईश्वर सदैव अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।



मंथन से मिलती है आत्मिक शांति

समुद्र मंथन की कथा के माध्यम से उन्होंने बताया कि जीवन में अच्छाई और बुराई का संघर्ष गिरतार चलता रहता है। बुराई का अंत और अच्छाई की स्थापना ही वास्तविक अमृत प्राप्ति है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों का मंथन करता है, तभी उसे आत्मिक शांति और दिव्य आनंद की प्राप्ति होती है।

तीन पग भूमि में समेत ली सृष्टि

कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने मत्स्यावतार की कथा सुनाते हुए सत्यवत मनु के आदर्शों का वर्णन किया तथा कहा कि धर्म और सत्य की रक्षा के लिए भगवान समय-समय पर विभिन्न अवतार धारण करते हैं। वहीं वामन अवतार के प्रसंग में उन्होंने बताया कि राजा बलि के समर्पण और दानशैलीतः से प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें अपना सान्निध्य प्रदान किया।

श्रीराम अवतार लेकर धर्म की पुनर्स्थापना-

कथा में महाराज मनु और शतरूपा की कठोर तपस्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि उसी तप के फलस्वरूप भगवान ने महाराज दशरथ के यहां श्रीराम के रूप में अवतार लेकर धर्म की पुनर्स्थापना की। वहीं श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग में उन्होंने कहा कि भगवान ने वसुदेव-देवकी के यहां जन्म लेकर नंद बाबा और यशोदा मैया के वात्सल्य तथा हजजालियों के प्रेम को पूर्ण किया।

रायपुर से पधारे दंडी स्वामी इंदु भवानंदजी

इस अवसर पर रायपुर से पधारे दंडी स्वामी इंदु भवानंद तीर्थ ने भी श्रीमद्भागवत के आध्यात्मिक महत्व पर प्रवचन देकर श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और वैराग्य का संदेश दिया। कथा के समापन पर भजन-कीर्तन और आरती के साथ समूचा परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में व्यासपीठ एवं श्रीमद्भागवत का पूजन आचार्य राजेंद्र शास्त्री, मनीष दीप्ति पांडे, विजय उषा कटारिया, राजेश राधा शुक्ला, संजय मधु मिश्रा, नीता श्याम चौधरा, कमला रामकिशोर तिवारी, गोविंद पड़्डिनी विश्वकर्मा, आशीष आराधना चौकसे, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, आशीष चौकसे, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुरेले, राहुल मोर्य, राज गुप्ता, गोविंद साहू, शिव गुप्ता, लकी शर्मा, सुनील गुप्ता, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे, मीडिया प्रमोदी मनोज सेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ मझौली पुलिस का जागरूकता अभियान विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

मझौली। युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से दूर रखने एवं समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से मझौली पुलिस द्वारा “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के तहत शिक्षा इंस्टीट्यूट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।

पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से अपने भविष्य को बेहतर बनाने और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के



लोगों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करने का संकल्प लिया था। नशा प्रभावी नेहरू सिंह खण्डाते सहित मझौली थाने का पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान में युवाओं, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों और समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। जागरूक युवा ही नशामुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल में किया गया मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

जबलपुर। यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल, आधारताल में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। समाजसेवी प्रो. सौरव तिवारी ने अपने माता-पिता डॉ. उमा सुरेश तिवारी एवं स्व. रमेश तिवारी की स्मृति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. विजयकांत तिवारी ने सम्मानित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता विद्यालय, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। कार्यक्रम में प्राचार्य सोनल तिवारी, शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



महाविद्यालय में ‘प्रोफेशनल रिज्यूमे राइटिंग’ पर कार्यशाला आयोजित



सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा विद्यार्थियों की रोजगारपरक दक्षताओं के विकास के उद्देश्य से ‘प्रोफेशनल रिज्यूमे राइटिंग’ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव के संरक्षण में संपन्न हुआ, जबकि समन्वयन वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक सुश्री रिया अग्रवाल ने किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. रामकृष्ण पटेल, सहायक प्राध्यापक, गोविंदराम सेकसरिया वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय (स्वशासी), जबलपुर ने विद्यार्थियों को प्रभावी एवं पेशेवर रिज्यूमे तैयार करने की तकनीक, आधुनिक मानकों और रोजगार के बदलते परिदृश्य में उसके महत्व की जानकारी दी। कार्यशाला में हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस सत्र, डीएएफ (डिटेल्ड एप्लोकेशन फॉर्म) की उपयोगिता तथा प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रागिनी कुशवाहा ने किया।

अखिल भारतीय स्वास्थ्य आयाम प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ, कुपोषण मुक्त भारत पर हुआ मंथन



जबलपुर। राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय स्वास्थ्य आयाम प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ शनिवार को जबलपुर में हुआ। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान के कुलपति डॉ. खंडेलवाल ने दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया। प्रशिक्षण वर्ग में देशभर से आए स्वास्थ्य आयाम के कार्यकर्ताओं एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुधीर जी, क्षेत्र सेवा प्रमुख ओमप्रकाश, महाकौशल प्रांत प्रचारक बृजकांत, राष्ट्रीय सेवा भारती के संयुक्त महामंत्री विजय पुराणिक, मंत्री रामेन्द्र सिंह, महाकौशल प्रांत संचालक डॉ. प्रदीप दुबे, डॉ. रामकुमार तथा सेवा भारती महाकौशल के अध्यक्ष डॉ. संजय खन्ना सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कुलपति डॉ. खंडेलवाल ने सेवा भारती के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए समर्पण, त्याग और संवेदनशीलता को सेवा का आधार बताया। वहीं विजय पुराणिक ने स्वास्थ्य एवं सुपोषण आयाम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षण वर्ग का लक्ष्य कार्यकर्ताओं को ऐसी कार्यपद्धति से जोड़ना है, जिससे कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

दादा मंदिर समिति की नई कार्यकारिणी घोषित, राजेश सोनी फिर बने अध्यक्ष

बरेला। श्री दादा ठन-ठन पाल मंदिर समिति का तीन वर्षीय पुनर्गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में राजेश सोनी को पुनः अध्यक्ष चुना गया। कैलाश केशरवानी एवं समर पटेल को उपाध्यक्ष, मुनि विश्वकर्मा को सचिव तथा मुकेश साहू (बस स्टैंड) को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं मुन्ना लाल विश्वकर्मा, हीरालाल सोनकर, मोहनलाल गुप्ता एवं मुकेश साहू (एडवोकेट) को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति में दिनेश सोनी एवं रजनीश माझी को मीडिया प्रभारी, भरत सोनी एवं अजय साहू को भंडारा प्रभारी तथा मयंक सोनी को महाआरती प्रभारी बनाया गया। इसके अलावा कन्हैयालाल झारिया, सोनू सोनकर, शोरा जैन, विपिन साहू, आशीष प्यासी, गोल्डी दुबे, दीपक सोनकर, संतोष पटेल, विवेक महावर, दिनेश सिंह पटेल, सतीश साहू, नरेश पटेल, विशाल सोनी, रामप्रसाद रैकवार सहित अनेक दादा भक्तों को समिति का सदस्य बनाया गया।

गुरु पूर्णिमा पर श्री दत्त मंदिर में होगा भव्य आध्यात्मिक समारोह



जबलपुर। प्रभु प्रेमी संघ के मीडिया प्रभारी डॉ. विजयकांत तिवारी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन पर्व है। उन्होंने प्रभु प्रेमी संघ के सदस्यों, गुरुभक्तों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरुदेव के आशीर्वाचन का लाभ लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

जबलपुर। प्रभु प्रेमी संघ, जबलपुर द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर 29 जुलाई को श्री दत्त मंदिर में विश्वविख्यात जूना पीठाधीश्वर परम पूज्य ब्रह्ममर्छि स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज के पावन सान्निध्य में भव्य गुरु पूर्णिमा समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगा, जिसमें गुरुदेव का विधिवत पूजन, भजन-कीर्तन एवं प्रेरणादायी आशीर्वाचन होंगे। प्रभु प्रेमी संघ के मीडिया प्रभारी डॉ. विजयकांत तिवारी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन पर्व है। उन्होंने प्रभु प्रेमी संघ के सदस्यों, गुरुभक्तों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरुदेव के आशीर्वाचन का लाभ लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

अवैध शराब बिक्री व नियम विरुद्ध संचालित दुकानों पर कार्रवाई की मांग, भीम आर्मी ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर जिले में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने तथा नर्मदा नदी, हाईवे और स्कूल-छात्रावासों के समीप संचालित शराब दुकानों को बंद कराने की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि शराब दुकानों से अवैध रूप से गाँव-गाँव शराब सप्लाई की जा रही है, जिससे अपराध और सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है। ज्ञापन में भेड़ाघाट चौराहा, बरगी नगर, बरेला, मनकैडी, मीरगंज, गंगई बरखेड़ा, सिवनी टोला, माथनपुर और पिपरिया क्षेत्र की शराब दुकानों के संचालन पर भी सवाल उठाए गए। संगठन ने कहा कि कई दुकानें निर्धारित स्थान के बजाय अन्य स्थानों पर संचालित हो रही हैं तथा शासन की गाइडलाइन का उल्लंघन किया जा रहा है। भीम आर्मी ने सात दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों, महिलाओं एवं



संगठन के साथ कलेक्टर कार्यालय के समक्ष उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। ज्ञापन के दौरान एड. चंदेशेखर आजाद (भीम आर्मी चीफ एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, सांसद नगीना), विजय रतन सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष), सुनील बैरसिया (प्रदेश अध्यक्ष, म.प्र.) तथा संजू लाल झारिया (जिला अध्यक्ष, जबलपुर) सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सफाई मित्र नगर निगम के असली ब्रांड एंबेसडर : निगमायुक्त

स्वच्छता चौपाल के माध्यम से नागरिकों को जोड़ने का किया आह्वान

जबलपुर। शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यप्रद बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा सफाई मित्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सफाई मित्रों से संवाद करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और उन्हें स्वच्छता अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए प्रेरित किया। निगमायुक्त ने कहा कि सफाई मित्र केवल कचरा उठाने वाले कर्मचारी नहीं, बल्कि नगर निगम के वास्तविक प्रतिनिधि और ब्रांड एंबेसडर हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों के साथ सम्मानजनक एवं मित्रवत व्यवहार से स्वच्छता के प्रति लोगों में जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। प्रशिक्षण के



दौरान निगमायुक्त ने वार्ड स्तर पर ‘स्वच्छता चौपाल’ आयोजित करने के निर्देश दिए। चौपालों के माध्यम से नागरिकों, व्यापारियों और आमजन को गोला-सूखा कचरा अलग करने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने और स्वच्छता रैकिंग में शहर को

पाटन संगमाम में अवैध पंप टैपिंग पर कार्रवाई तेज, 9 मामलों में एफआईआर दर्ज



पाटन। विद्युत विभाग के पाटन संभाग में अवैध विद्युत टैपिंग के खिलाफ अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले 6-8 महीनों से चल रही इस मुहिम के तहत कृषि पंपों को अवैध रूप से जोड़ने वाले उपभोक्ताओं पर शिकंजा कसा गया है। कार्यपालन अभियंता नवनीत राठौर के निर्देश पर संभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अवैध कनेक्शन हटाने की कार्रवाई की जा रही है। विभाग के अनुसार ग्राम भदरवारा, धनेटा, कांटी, सहसन, टिपरा, बरगी, नटवारा, सकरा एवं

अनघोरा सहित करीब 50 स्थानों पर अवैध टैपिंग हटाई गई है। कई स्थानों पर अवैध पंप कनेक्शन के तार भी जब्त किए गए हैं। विभाग ने बताया कि 24 घंटे वाले फ्रीडर से अवैध रूप से कृषि पंप जोड़ने वाले उपभोक्ताओं पर कार्रवाई करते हुए पिछले छह माह में 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। कार्रवाई में प्रशासनिक अधिकारियों, एसडीएम एवं एसडीओपी पाटन का भी सहयोग लिया गया। विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अवैध टैपिंग हटाने के दौरान कर्मचारियों को विरोध, गोली-गोलूज एवं धमकियों का सामना करना पड़ता है, फिर भी लाइन लॉस कम करने और विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

नाम सुधार सूचना
मैं MOHINI MADHU उम्र 50 वर्ष W/O ASHESH RANCHODAL MADHU मेरे पुत्र JOY MADHU के passport no.J9138944 में उसका नाम (JOY ASHESH MADHU) लिखा हुआ है जो की बदल कर (JOY MADHU) कर लिया है जो कि उसके आधार, और अन्य सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है अतः मेरे पुत्र को सही नाम (JOY MADHU) से जाना पहचाना जाए।
नया नाम :- JOY MADHU
पुराना नाम :- JOY ASHESH MADHU
पता :- 1175 नियर होम साइड कॉलेज रोड, नैथियर टाउन जबलपुर



खबर संक्षेप

सोनिया वोटर लिस्ट विवाद 13 को आगगा फैसला



नई दिल्ली। मतदाता सूची मामले में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग वाली याचिका पर राजज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश कोर्ट ने फैसला टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोपने ने कहा कि मामले में आदेश 13 अगस्त को सुनाया जाएगा। अदालत ने सोनिया गांधी और शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी को एक अगस्त तक अपनी लिखित दलीलों दाखिल करने का समय भी दिया है।

‘वारिस पंजाब दे’ का वांटेड गिरफ्तार

चंडीगढ़। इंडो-नेपाल सीमा पर एसएसबी और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। खालिस्तानी अलगाववादी संगठन ‘वारिस पंजाब दे’ से जुड़े वांटेड बिक्रमजीत सिंह और बिना वीजा भारत में घुस रहे एक सिख अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले में मदद करने वाले 3 स्थानीय लोगों समेत कुल 5 गिरफ्तार हुए हैं। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा से सशस्त्र सीमा बल की 42वीं बटालियन और पुलिस ने 22 जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर ये कार्रवाई की। एसएसबी ने अवैध रास्ते से नेपाल से भारत में घुसने की कोशिश कर रहे वांटेड अभियुक्त बिक्रमजीत सिंह और अमेरिकी नागरिक मनबीर सिंह दिल्ली को पकड़ा।

रेड्डी कतर में भारत के नए राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनयिक के. श्रीकर रेड्डी को कतर में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है।



विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को उनकी नियुक्ति की घोषणा की। भारतीय विदेश सेवा के 2001 बैच के अधिकारी रेड्डी फिलहाल अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्यदूत के रूप में कार्यरत हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह जल्द ही दोहा में अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। रेड्डी कतर में मौजूदा भारतीय राजदूत विपुल का स्थान लेंगे। नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब भारत और कतर के बीच ऊर्जा, व्यापार, निवेश तथा प्रवासी भारतीयों से जुड़े संबंध महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको पर हुआ बड़ा हमला

एजेंसी ►► दुबई

सऊदी अरब में एक बार फिर टेंशन बढ़ गई है। यमन से दागे गए मिसाइल और ड्रोन हमलों ने जिजान के एक अहम औद्योगिक शहर और अरामको से जुड़ी तेल सुविधा को निशाना बनाया। हमले के बाद कई इलाकों की बिजली गुल हो गई और यनबू प्रांत के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी करना पड़ा। सऊदी और यमन

टाइमिंग क्यों अहम है?

ये हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे क्षेत्रीय युद्ध की वजह से पूरे मीडिल ईस्ट में तनाव है। शुक्रवार देर रात सऊदी अरब ने खुद यमन के हूती गिरिजिती शहर होदेब्दा पर हमले किए थे। इसके जवाब में हूती विदेश मंत्रालय ने वताकबो दो थि कि ये हमला सऊदी अरब को महंगा पड़ेगा। हूती से जुड़े अल-मस्तीरा टीवी के अनुसार होदेब्दा में दूरसंचार प्राधिकरण की सुविधाओं को निशाना बनाया गया और कमराज छीप पर भी हमले हुए, जिसमें एक महिला घायल हुई।

होर्मुज में ‘दिशा’ पर मिसाइल हमला, 28 भारतीय सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में एक बार फिर से शुरू हुए युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव काफी बढ़ गया है। इस बीच मोजाम्बिक के ध्वज वाले एक एलपीजी टैंकर ‘दिशा’ पर मिसाइल हमले की जानकारी सामने आई है। जिसमें यह पता चला है कि टैंकर में सवार चालक दल के सभी 28 भारतीय नागरिकों को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यह घटना बीते शुक्रवार को जलडमरूमध्य के पास ईरान के जलक्षेत्र में हुई थी। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वह घटना के तुरंत बाद से



ईरान की राजधानी तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने की घटना की पुष्टि

स्थानीय ईरानी अधिकारियों के संपर्क में बने हुए हैं। यहां बता दें कि अमेरिका-इजरायल द्वारा इस साल 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले के बाद इस युद्ध की शुरुआत हुई थी। जिसके बाद जून में दोनों पक्षों में दो महीने का सीजफायर हुआ था। जो बीच में ही टूट गया और फिर एक बार से यह युद्ध भड़क गया है।

हरिभूमि न्यूज़ ►► वाराणसी

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र द्वारा शब्दन फाउंडेशन के सहयोग से भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर शनिवार को व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी शामिल हुए। अपने व्याख्यान में डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा में किए जा रहे नए नीतिगत बदलावों का मुख्य उद्देश्य मनुष्य को संवेदनशील बनाना है।

उन्होंने कहा कि जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों का विस्तार न कर सके, वह व्यर्थ है। डॉ. द्विवेदी ने पौराणिक एवं धार्मिक कथाओं के समृद्ध स्वरूप के माध्यम से अपने तर्कों को प्रस्तुत करते हुए व्याख्यान को सार्थक बनाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवेंद्र राणा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अश्विनी सिंह ने किया।

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र वाराणसी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर व्याख्यान



संस्कारों के बिना शिक्षा अधूरी है

इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह एवं प्रो. गुरुप्रसाद सिंह, पशुपालन विभाग, बीएचयू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रेम नारायण सिंह, निदेशक, अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र, वाराणसी ने की। स्वागत वक्ताय एवं विषय प्रवेश पर बोलते हुए प्रो. गुरुप्रसाद सिंह ने शिक्षा के सहकार का अर्थ बताते हुए कहा कि जिस शिक्षा की अवधारणा को हम आत्मसात करना चाहते हैं, वह संस्कारों के बिना अधूरी है।



सभी को समान शिक्षा मिले

मुख्य वक्ता बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने शिक्षा की प्रशासनिक एवं आर्थिक स्वायत्तता की बात कही। साथ ही उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि परिसर में सभी को समान शिक्षा मिले। उन्होंने आजादी के बाद से वर्तमान तक की शिक्षा नीतियों की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए उनकी विवेचना की।

नीट पेपर लीक : शनिवार को भी देशभर में प्रदर्शन

सीवान में पथराव से एसपी घायल यूपी-एमपी, राजस्थान में भी हंगामा



एजेंसी ►► पटना

नीट पेपर लीक मामले और लाठीचार्ज के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन देशभर में शनिवार को भी प्रदर्शन किया। बिहार में बंद के दौरान पटना और सीवान सहित 8 जिलों में छात्रों ने पुलिस पर पथराव किया। सीवान में भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले दागे गए। 10 राउंड से ज्यादा सीधी फायरिंग हुई है।

प्रदर्शनकारी की पत्थर से सीवान एसपी पूरन झा के हाथ में चोट लगी है। करीब 6 जिलों में पत्थर चले हैं। इधर, छपरा में छात्रों ने उग्र प्रदर्शन करते हुए सरकारी बिल्डिंग में चढ़कर पोस्टर फाड़े। पुलिस बैरिकेडिंग लेकर भागते नजर आए। उत्तर प्रदेश के

प्रयागराज, लखनऊ और सहारनपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में 10 हजार लोगों ने भारी बारिश का बावजूद सड़कों पर प्रदर्शन किया।

इस्तीफे के बाद जश्न भी

शनिवार को मध्यप्रदेश के 20 शहरों में प्रदर्शन हुए। इंदौर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने धर्मद प्रधान के इस्तीफे के बाद खुशी मनाते हुए मिठाई बाँटी और धरना खत्म करने का ऐलान कर दिया। प्रयागराज में भी छात्र जश्न मना रहे हैं। जयपुर, राजस्थान में शहीद स्मारक पर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स जुटे हैं। इस्तीफे की जानकारी के बाद बड़ी संख्या में छात्र नाच-गाकर खुशियां मनाईं। पंजाब के जलंधर में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स डीसी ऑफिस घेरने पहुंचे। उनका कहना है प्रधान का इस्तीफा स्वीकार होना चाहिए।

जेन-जी के आंदोलन और विपक्ष के दबाव से आना पड़ा बैकफुट पर

नीट पेपर लीक पर मचे बवाल और देशभर में चल रहे आंदोलन के बाद आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मद प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। प्रधान का इस्तीफा उस पीढ़ी की जीत है, जिसे काकरोच यानी ‘तिलचट्ठा’ कहा गया। मोदी सरकार किसान आंदोलन से नहीं झुकी, सीएए-एनआरसी के विरोध से नहीं डिगी, कोविड मैनेजमेंट की आलोचना से नहीं हिली, उसी सरकार को जेन-जी ने बैकफुट पर आने को मजबूर कर दिया।



पार्टी के भीतर का ‘भूचाल’

यह इस्तीफा सिर्फ बाहरी दबाव नहीं था, बल्कि बीजेपी के भीतर के सियासी भूचाल को भी दिखाता है। प्रधान सिर्फ एक मंत्री नहीं, बल्कि ओडिशा में बीजेपी के 20 सांसदों के ‘नेता’ थे। जब उन पर इस्तीफे का दबाव बढ़ा, तो उन्होंने 22 जुलाई को इन 20 सांसदों के साथ एक फोटो पोस्ट करके स्पष्ट संकेत दिया। मुझे हटाने की कोशिश करो और देखो क्या होता है। यह इस्तीफा दिखाता है कि बीजेपी के अंदरूनी गलियारों में भी दरार आ गई है।

विपक्ष को मिली बड़ी जीत

बीजेपी 12 सालों से विपक्ष को ‘नाकाम करने में माहिर’ रही है। किसान आंदोलन से लेकर सीएच तक, कांग्रेस कभी भी बीजेपी को पीछे हटाने में कामयाब नहीं हुई। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। राहुल गांधी ने 21 जुलाई को पीएम आवास के बाहर धरना दिया। पुलिस का उन्हें उठाकर ले जाने वाले कारनामे ने सियासी मैनेज दे दिया। सीजेपी की मांगों के साथ विपक्ष का यह तालमेल बीजेपी के लिए मुश्किल बना। अगर प्रधान को हटाना जाता, तो इसका पूरा श्रेय राहुल गांधी और सीजेपी को जाता। इस वजह बीजेपी ने पूरी कोशिश की कि प्रधान न हटें, लेकिन आखिरकार ऐसा ही हुआ। यह मोदी सरकार के खिलाफ राहुल गांधी की पहली बड़ी राजनीतिक जीत है।

बच्चों का भविष्य संवारने श्रमदान कर दूटे पुल के नीचे से निकाला रास्ता

जहां चाह, वहां राह....मुंह ताकने के बजाय गांव वालों ने खुद निकाला ‘रास्ता’

गुहार लगाकर थक चुके तो ग्रामीणों ने लकड़ी से

मोहला। मानपुर विकासखंड के खुरसेखुर्द और सहपाल के बीच नाले में पुल निर्माण को लेकर आवेदन निवेदन कर थक चुके ग्रामीणों ने बास बल्ली से निर्मित पुल दांच तैयार कर आवागमन कर रहे हैं।

इसी तरह खडगांव तहसील के जवके पदमरी के बीच खडका नाला में पुल की जर्जर स्थिति के कारण ग्रामीण आज भी बांस के टाट के सहारे नदी पार करने को मजबूर हैं। सुरक्षित पुल की व्यवस्था नहीं होने से रोजाना स्कूली बच्चों, किसानों और आम लोगों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है। इसी दौरान हुए बौद्ध स्थांन सारनाथ में होनहार युवक बुजुलाल बोणा की नदी में गिरने से मौत हो गई।



कसडोल। कसडोल से 30 कि.मी. दूर महानदी के तट पर बसे आदिवासी बाहुल्य ग्राम वैनान्नार व घिरघोल के ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन को आईना दिखाते हुए अपने मेहनत तथा आपस में चंदा एकत्र कर गांव के नजदीक पुटपुरा (पिपरछेड़ी) नाला में 65 फीट लम्बा, 20 फीट चौड़ा और 2 फीट मोटा कुल 8 लाख रुपए खर्च कर पुलिया का निर्माण कर लिया है। ग्रामीणों के इस पहल ने लोगों को जहां चाह वहां राह का संदेश दिया है। ग्रामवासियों की एकता, आपसी सामंजस्य से बड़े से बड़ा काम किया जा सकता है। बोते दिनों ग्रामीणों ने नवनिर्मित पुलिया का विधि-विधान से पूजा अर्चना कर स्वनिर्मित पुल का उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से इस नाले में पुलिया बनाने के लिये हर तरह से प्रयास किये गये पर आशासन के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ।



कॉमनवेल्थ गेम्स : झंडू ने दिलाया पहला मेडल, जीता ब्रॉन्ज

ग्लासगो। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपना खाता खोला है। पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने ग्लासगो में पुरुषों की हेवीवेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस के अपने आखिरी प्रयास में 212 किलो का वजन उठाने में नाकाम रहने के बाद झंडू कुमार का मेडल पक्का हो गया, जो भारत का पहला मेडल है। पोलिया और पैसों की तंगी से जूझने वाले 28 साल के इस खिलाड़ी ने 181 किलोग्राम और 190 किलोग्राम के सफल लिफ्ट के बाद 130.9 अंक जुटाए। वह आखिरी प्रयास में 196 किलोग्राम का वजन नहीं उठा पाए। भारतीय बॉक्सर जदुमुणि सिंह ने पुरुषों की 55 किलोग्राम स्पर्धा में जीत के साथ शुरुआत की। उन्होंने राउंड ऑफ 32 में स्कॉटलैंड के एरॉन कलन को एकमत से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना पाकिस्तान की सुमामा रहमान से होगा।



हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को आखिरकार यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया। दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार को यह ऐतिहासिक घोषणा की गई। करीब 28 वर्षों के इंतजार के बाद मिली इस मायता के साथ सारनाथ भारत का 45वां और उत्तर प्रदेश का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है। इससे उत्तर प्रदेश की बौद्ध विरासत को वैश्विक पहचान मिलने के साथ पूर्वांचल के धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

सारनाथ को तीन जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव (संभावित) सूची में शामिल किया गया था। लंबे समय तक चली प्रक्रिया के बाद अब इसे विश्व धरोहर का दर्जा मिला है। इससे पहले उत्तर प्रदेश में ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी ही विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल थे।

बौद्ध धर्म सारनाथ क्यों महत्वपूर्ण?

सारनाथ, वह पावन धरती है जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद मानवता को अपना प्रथम उपदेश देकर ‘धर्मचक्र प्रवर्तन’ का शुभारंभ किया था। आज यह विश्व धरोहर के रूप में विशिष्ट पहचान प्राप्त कर चुका है। बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में शामिल सारनाथ को प्राचीन बौद्ध ग्रंथों में ‘त्रिपिपत्तन’ के नाम से वर्णित किया गया है। यही वह ऐतिहासिक स्थल है जहां भगवान बुद्ध ने अपने पहले पांच शिष्यों को धर्म का उपदेश देकर करुणा, शांति और मध्यम मार्ग का संदेश समस्त मानवता तक पहुंचाया। आज यह गौरवशाली विरासत वैश्विक मंच पर और अधिक प्रतिष्ठित हो गई है। करीब 2600 वर्षों से सारनाथ बौद्ध आस्था और तीर्थ परंपरा का प्रमुख केंद्र रहा है। यह स्थल आज भी बौद्ध मठ जीवन, प्राचीन स्थापत्य और



48वें सत्र की बैठक में निर्णय

यह निर्णय दक्षिण कोरिया के बुसान में जारी संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र की बैठक के दौरान लिया गया। यूनेस्को ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में नया नामांकन, प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ, भारत। सारनाथ यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाला भारत का 45वां स्थल है।

हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। उत्तर प्रदेश के सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर मैं काफी प्रसन्न हूँ। उन्होंने कहा कि सारनाथ का भगवान बुद्ध से गहरा संबंध है, जिनका ज्ञान, करुणा और सम्राट का शाश्वत संदेश आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, यह समानांतर का शाश्वत संदेश आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित करता है। विश्व धरोहर सूची में नया नामांकन, प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ, भारत। सारनाथ यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाला भारत का 45वां स्थल है।

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर



सीजीपीएससी गड़बड़ी प्रकरण में सीबीआई के बाद अब ईडी की एंट्री हो गई है। जांच एजेंसी ने सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सोनवानी को शनिवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कर उन्हें पीएमएलए कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने पुलिस रिमांड के लिए आवेदन पेश किया। कोर्ट ने पूछताछ करने सात दिनों 31 जुलाई तक की पुलिस रिमांड स्वीकृत की है। सीजीपीएससी भर्ती घोटाला में मनी लॉडिंग पाए जाने पर ईडी ने टामन सोनवानी को गिरफ्तार किया है। टामन सोनवानी फिलहाल जेल में बंद है। सूत्रों के मुताबिक सोनवानी से सीजीपीएससी भर्ती घोटाले की राशि को किस तरह से मैनेज करने के साथ किन लोगों तक पहुंचाया गया, इसकी जांच करेगी। इसके साथ ही घोटाले की रकम में से उन्हें कितनी राशि प्राप्त हुई, ईडी के अधिकारी इस एंगल से उनसे पूछताछ करेंगे।

सीबीआई के बाद अब ईडी ने सोनवानी को किया गिरफ्तार

पिछले कुछ वर्षों में भारत में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। छोटे शहरों और कस्बों के निवेशक भी अब म्यूचुअल फंड को बचत और निवेश का महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं। डिजिटल

प्लेटफॉर्म, आसान निवेश प्रक्रिया, वित्तीय जागरूकता और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावनाओं ने म्यूचुअल फंड उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मिड और स्मॉल कैप फंडों में बढ़ती मागीदारी इसी बदलाव का परिणाम मानी जा रही है।

मिड और स्मॉल कैप फंडों पर निवेशकों का भरोसा कायम

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के दौरान कई बार तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक अनिश्चिताओं, भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में बदलाव और घरेलू बाजार में समय-समय पर आई गिरावट के बावजूद भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड कैप और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंडों पर लगातार मजबूत बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का किया गया एक अहम विश्लेषण है। रिपोर्ट बताती है कि बाजार की अस्थिरता निवेशकों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। इसके विपरीत, बड़ी संख्या में नए निवेशकों ने इन श्रेणियों में निवेश शुरू किया और पहले से निवेश कर रहे लोगों ने भी अपना निवेश जारी रखा।

पोर्ट के अनुसार, जून 2024 से जून 2026 के बीच मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। जून 2024 में जहां मिड कैप फंडों के फोलियो की संख्या लगभग 1.53 करोड़ थी, वहीं जून 2026 तक यह बढ़कर 2.55 करोड़ हो गई। इसी अवधि में स्मॉल कैप फंडों के फोलियो 2.03 करोड़ से बढ़कर 2.87 करोड़ तक पहुंच गए। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान केवल बड़े बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे बेहतर संभावनाओं वाली मध्यम और छोटी कंपनियों में भी निवेश के अवसर तलाश रहे हैं।

सभी ओपन-एंडेड इक्विटी फंड फोलियो का 32 प्रतिशत हिस्सा

आज मिड कैप और स्मॉल कैप फंड मिलकर देश के सभी ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड फोलियो का 32 प्रतिशत से

- बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद बन रहे पहली पसंद
- दो वर्षों में करोड़ों नए निवेशक जुड़े, दीर्घकालिक रिटर्न से बढ़ा विश्वास
- विशेषज्ञों ने ऊंचे वैल्यूएशन के बीच सतर्क निवेश की दी सलाह



अधिक हिस्सा बन चुके हैं। यह हिस्सा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि भारतीय निवेशकों की सोच अब लंबी अवधि के निवेश और संपत्ति निर्माण की ओर तेजी से बदल रही है। इस बढ़ते भरोसे के पीछे सबसे बड़ा कारण इन श्रेणियों का मजबूत दीर्घकालिक प्रदर्शन है। 30 जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, मिड कैप फंडों ने पिछले तीन वर्षों में 18.76 प्रतिशत का चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) और पांच वर्षों में 16.33 प्रतिशत का सीएजीआर दिया है। वहीं स्मॉल कैप फंडों ने तीन वर्षों में 17.68 प्रतिशत तथा पांच वर्षों में 17.06 प्रतिशत का सीएजीआर रिटर्न निवेशकों को उपलब्ध कराया।

उतार-चढ़ाव की संभावना ज्यादा

यह समझना जरूरी है कि अधिक रिटर्न के साथ जोखिम भी अधिक होता है। मिड और

स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। यही कारण है कि बाजार में गिरावट आने पर इन श्रेणियों में नुकसान भी अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। इसके बावजूद निवेशकों का विश्वास इसलिए बना हुआ है क्योंकि वे अब अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक निवेश रणनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं। निवेशकों का यह भरोसा केवल फोलियो की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में भी साफ दिखाई देता है। जून 2025 में मिड कैप फंडों का एयूएम 4.32 लाख करोड़ रुपये था, जो जून 2026 तक बढ़कर 5.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह स्मॉल कैप फंडों का एयूएम 3.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.30 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

निवेशक सतर्क रहें

आईसीआरए एनालाइस्टिक ने निवेशकों को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। संस्था का

कहना है कि वर्तमान समय में मिड और स्मॉल कैप शेयरों के वैल्यूएशन अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर हैं। यदि आने वाले समय में कंपनियों की आय (कॉरपोरेट अर्निंग्स) बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ती है, तो इन श्रेणियों में करेक्शन देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि पिछले वर्षों जैसा रिटर्न भविष्य में भी निश्चित रूप से मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में इन फंडों का प्रदर्शन केवल वैल्यूएशन बढ़ने पर नहीं, बल्कि कंपनियों के वास्तविक कारोबार और मुनाफे में वृद्धि पर निर्भर करेगा।

क्या कहते हैं आंकड़े

वित्तीय सलाहकारों का सुझाव है कि मिड और स्मॉल कैप फंडों में निवेश हमेशा लंबी अवधि के लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने के बजाय नियमित एसआईपी के माध्यम से निवेश करना अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। साथ ही निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए, ताकि जोखिम और रिटर्न दोनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके। कुल मिलाकर, एएमएफआई और आईसीआरए एनालाइस्टिक के ताजा आंकड़े यह संकेत देते हैं कि भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड और स्मॉल कैप फंडों पर पहले से अधिक मजबूत हुआ है। बेहतर दीर्घकालिक प्रदर्शन और नियमित निवेश ने इन श्रेणियों को लोकप्रिय बनाया है। हालांकि, ऊंचे वैल्यूएशन और संभावित बाजार उतार-चढ़ाव को देखते हुए निवेशकों को संयम, विविधीकरण और लंबी अवधि की रणनीति अपनाकर ही निवेश करना चाहिए। यही तरीका भविष्य में बेहतर और टिकाऊ संपत्ति निर्माण का आधार बन सकता है।

मृत्यु के बाद क्लेम होगा आसान नॉमिनेशन व वसीयत अब भी जरूरी

सेबी ने एएमएफआई के मानकों में बदलाव कर दी बड़ी राहत

अब परिवारों को आर्थिक और मानसिक परेशानियां नहीं झेलनी होंगी

रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से नहीं होगी दिक्कत

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण और निवेशक हितैषी कदम उठाया है। निवेशक की मृत्यु के बाद उसके परिवार या कानूनी उत्तराधिकारियों को म्यूचुअल फंड यूनिट्स का ट्रांसमिशन (हस्तांतरण) करने में अक्सर कई तरह की तकनीकी और दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पते में अंतर, नाम की स्पेलिंग अलग होना, हस्ताक्षर मेल न खाना या पुराने रिकॉर्ड जैसी छोटी-छोटी वजहों से क्लेम महीनों तक लंबित रहता था। कई मामलों में परिवारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती थीं। इन्हें समस्याओं की ध्यान में रखते हुए सेबी ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मानकों में बदलाव कर ट्रांसमिशन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी निवेशक के निधन के बाद उसके परिवार को तकनीकी कारणों से अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

पते में अंतर अब नहीं बनेगा बड़ी बाधा

पहले यदि म्यूचुअल फंड फोलियो में दर्ज पता और क्लेम के समय दिए गए दस्तावेजों का पता अलग होता था, तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) क्लेम रोक देती थी। अब वैध और अद्यतन दस्तावेजों के आधार पर नया पता स्वीकार किया जा सकेगा। इससे पुराने रिकॉर्ड के कारण होने वाली देरी काफी हद तक समाप्त होगी।

छोटी गलतियां भी होंगी स्वीकार

अक्सर पैन कार्ड, आधार, बैंक खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से ट्रांसमिशन अटक जाता था। अब आधार, पासपोर्ट जैसे सेलेफ-सर्टिफाइड दस्तावेजों के आधार पर ऐसे मामलों का समाधान किया जा सकेगा। हस्ताक्षर मेल न खाने की स्थिति में भी रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) निर्धारित प्रक्रिया के तहत समाधान करेंगे।

सभी एएमसी में एक जैसी प्रक्रिया

सेबी ने एएमएफआई को निर्देश दिया है कि सभी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों और संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पूरे देश में ट्रांसमिशन प्रक्रिया एक समान तरीके से लागू हो। इससे निवेशकों को अलग-अलग फंड हाउस में अलग नियमों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कौन क्लेम कर सकता है?

- क्लेम की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश किस प्रकार किया गया था।
- यदि निवेश संयुक्त नाम से है और एक निवेशक का निधन हो जाता है, तो जीवित धारक यूनिट्स अपने नाम कराने के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि निवेश एकल नाम से है और नॉमिनी दर्ज है, तो

जानें जोखिम पोर्टफोलियो और टैक्स से जुड़े जरूरी नियम सिर्फ रिटर्न नहीं, इन पैमानों पर चुनें सही म्यूचुअल फंड

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड आज करोड़ों भारतीयों की निवेश यात्रा का अहम हिस्सा बन चुके हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश कर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। लेकिन बाजार में हजारों म्यूचुअल फंड योजनाएं उपलब्ध होने के कारण सबसे बड़ी चुनौती सही फंड का चुनाव करना है। अक्सर निवेशक पिछले एक साल का रिटर्न या पांच स्टार रेटिंग देखकर फैसला ले लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यही सबसे बड़ी गलत साबित हो सकती है। दरअसल, किसी भी म्यूचुअल फंड का मूल्यांकन केवल रिटर्न के आधार पर नहीं किया जा सकता। फंड का जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर और निवेश का उद्देश्य जैसे कई पहलू भी उनसे ही महत्वपूर्ण हैं। यदि दो फंडों में से किसी एक को चुनना है, तो कुछ बुनियादी मानकों को समझना बेहद जरूरी है।



सबसे पहले एक जैसी श्रेणी के फंड की तुलना करें

किसी भी तुलना की शुरुआत सही आधार से होनी चाहिए। यदि एक फंड लार्ज कैप है और दूसरा मिड कैप, तो दोनों की तुलना करना उचित नहीं होगा। दोनों का निवेश उद्देश्य, जोखिम और संभावित रिटर्न अलग-अलग होते हैं। यदि आपका लक्ष्य स्थिरता और अपेक्षाकृत कम जोखिम है, तो लार्ज कैप फंडों की तुलना करें। यदि अधिक जोखिम लेकर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो मिड कैप-स्मॉल कैप श्रेणी के भीतर विकल्प चुनें।

डायरेक्ट-रेगुलर प्लान में अंतर

हर म्यूचुअल फंड में निवेश के दो विकल्प होते हैं—डायरेक्ट और रेगुलर। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के माध्यम से निवेश करता है। इसमें किसी एजेंट का कमीशन नहीं होता,

इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम रहता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। रेगुलर प्लान उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें वित्तीय सलाहकार की सहायता की जरूरत होती है।

केवल रिटर्न नहीं, एक्सपेंस रेशियो भी देखें

दो फंड यदि लगभग समान रिटर्न दे रहे हैं, तो कम एक्सपेंस रेशियो वाला फंड बेहतर माना जाता है। एक्सपेंस रेशियो वह वार्षिक शुल्क है जो एएमसी आपके निवेश के प्रबंधन के बदले लेती है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15-20 वर्षों की लंबी अवधि में यही अंतर लाखों रुपये के अतिरिक्त रिटर्न में बदल सकता है।

दोनों फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहे हैं

कई निवेशक अलग-अलग फंड खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि दोनों की शीर्ष 10 होल्डिंग्स लगभग एक जैसी हैं। निवेश से पहले दोनों फंडों की प्रमुख होल्डिंग्स और सेक्टर एलोकेशन अवश्य देखें। जोखिम के मुकाबले रिटर्न का मूल्यांकन करें। हर अधिक रिटर्न देने वाला फंड बेहतर नहीं होता।

रिश्ते में प्यार के साथ पैसों की समझ भी जरूरी पति-पत्नी की कमाई में बड़ा-अंतर हो तो कैसे बनाएं फाइनेंशियल प्लान

बिजनेस डेस्क। शादी केवल दो लोगों का भावनात्मक रिश्ता नहीं, बल्कि दो आर्थिक जिम्मेदारियों का भी मिलन है। आज के दौर में बड़ी संख्या में पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं, लेकिन अक्सर उनकी आय समान नहीं होती। किसी की सैलरी अधिक होती है तो कोई अपेक्षाकृत कम कमाता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह होता है कि घर का खर्च कैसे बांटा जाए, ताकि न किसी एक पर आर्थिक बोझ बढ़े और न रिश्ते में असंतुलन पैदा हो। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सफल वैवाहिक जीवन की नींव केवल भरोसे और प्यार पर नहीं, बल्कि पारदर्शी वित्तीय योजना पर भी टिकी होती है। पैसों को लेकर स्पष्ट समझ और नियमित संवाद भविष्य के विवादों से बचाता है। दोनों को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस कराता है।

हर परिवार के लिए एक जैसा फॉर्मूला नहीं

फाइनेंशियल प्लानिंग का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं होता। हर परिवार की आय, जिम्मेदारियां, जीवनशैली और भविष्य के लक्ष्य अलग-अलग होते हैं। किसी दूसरे का मॉडल अपनाने के बजाय अपनी परिस्थितियों के अनुसार वित्तीय व्यवस्था बनाना समझदारी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी नियम दोनों की सहमति और सुविधा से लिया जाए। आर्थिक मामलों में निरधारिता रिश्ते को मजबूत बनाती है।

वया अधा-आधा खर्च बांटना सही है?

कई दंपती यह मान लेते हैं कि सभी खर्च 50-50 प्रतिशत बांट देना बराबरी का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन यह हर स्थिति में उचित नहीं होता। मान लीजिए पति की मासिक आय 1.50 लाख और पत्नी 50,000 रुपये कमाती है। यदि दोनों 40-40 हजार घर के खर्च में दें, तो पत्नी की आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाएगा, जबकि पति के पास बचत और निवेश के



लिए पर्याप्त राशि बची रहेगी। ऐसी व्यवस्था आर्थिक रूप से संतुलित नहीं मानी जाती क्योंकि इससे कम आय वाले साथी पर अपेक्षाकृत अधिक दबाव पड़ता है।

आय के अनुपात में खर्च बांटना बेहतर विकल्प

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार यदि पति-पत्नी की आय में बड़ा अंतर है तो खर्च भी आय के अनुपात में बांटना अधिक व्यावहारिक होता है। उदाहरण के लिए यदि एक साथी कुल आय का 70 प्रतिशत कमाता है और दूसरा 30 प्रतिशत, तो साझा खर्चों में योगदान भी लगभग उसी अनुपात में रखा जा सकता है। इस व्यवस्था से दोनों के पास बचत, निवेश और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पर्याप्त धन बचता है।

जॉइंट अकाउंट हो सकता है अच्छा समाधान

- आज कई कामकाजी दंपती साझा खर्चों के लिए जॉइंट बैंक अकाउंट का विकल्प अपना रहे हैं।
- इस व्यवस्था में दोनों अपनी आय का एक तय हिस्सा संयुक्त खाते में जमा करते हैं। इसी खाते से घर का किराया,

नॉमिनी ट्रांसमिशन के लिए आवेदन कर सकता है।

- यदि नॉमिनी नहीं है, तो कानूनी उत्तराधिकारी को उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर दावा करना होगा। ऐसे मामलों में प्रक्रिया अपेक्षाकृत लंबी हो सकती है।

किन दस्तावेजों की होगी जरूरत?

- ट्रांसमिशन रिवरैस्ट फॉर्म
- निवेशक का मृत्यु प्रमाणपत्र
- पैन कार्ड
- केवाईसी दस्तावेज
- बैंक खाते का प्रमाण
- यदि नॉमिनी नहीं है तो सर्वेस्विस सर्टिफिकेट, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य कानूनी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं।

किन कारणों से अटकेगा क्लेम?

- नॉमिनी का नाम दर्ज न होना।
- केवाईसी अक्षूरा या पुराना होना।
- बैंक, पैन और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में अलग-अलग जानकारी होना।
- कानूनी उत्तराधिकारियों के बीच विवाद।
- अलग-अलग एएमसी में कई फोलियो होने से दस्तावेजी प्रक्रिया जटिल होना।

आज ही करें ये चार काम

- पहला, हर म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी अवश्य दर्ज करें और समय-समय पर उसकी समीक्षा करें।
- दूसरा, पैन, आधार, खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, पता और अन्य विवरण समान रखें।
- तीसरा, यदि आपका निवेश बड़ा है तो केवल नॉमिनेशन पर निर्भर न रहें। एक विधिवत वसीयत तैयार करें। यह संपत्ति के अंतिम उत्तराधिकार को लेकर भविष्य के विवादों से बचाती है।
- चौथा, अपने परिवार को यह जानकारी अवश्य दे कि आपने किन-किन म्यूचुअल फंडों में निवेश किया है। कई बार परिवार को निवेश की जानकारी ही नहीं होती, जिससे वयों तक रकम बिना क्लेम के पड़ी रहती है।

नॉमिनी व उत्तराधिकारी में अंतर समझें

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि नॉमिनी निवेश का अंतिम मालिक होता है, जबकि ऐसा हमेशा नहीं होता। नॉमिनी निवेश की राशि प्राप्त करने का अधिकार व्यक्ति होता है। अंतिम स्वामित्व उत्तराधिकार कानून या वैध वसीयत के अनुसार तय होता है। बड़े निवेश वाले परिवारों के लिए एस्टेट प्लानिंग-वसीयत तैयार करना महत्वपूर्ण है।

निवेशक हित में बड़ा सुधार

सेबी का यह कदम ऐसे समय आया है, जब देश में म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही। करोड़ों निवेशक एसआईपी व अन्य योजनाओं के माध्यम से लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं। ऐसे में निवेशक की मृत्यु के बाद परिवार को सरल-समयबद्ध तरीके से राशि मिलना वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सेबी के नए दिशा-निर्देश न केवल ट्रांसमिशन प्रक्रिया को तेज-पारदर्शी बनाएंगे, बल्कि निवेशकों में भरोसा मजबूत करेंगे कि उनकी मेहनत की कमाई जरूरत पड़ने पर बिना कानूनी बाधाओं के परिवार तक पहुंच सकेगी।

एसआईपी और एसडब्ल्यूपी की स्मार्ट रणनीति से रिटायरमेंट के बाद मिल सकती है नियमित आय 1,000 रुपये की एसआईपी से बन सकता 1 करोड़ का रिटायरमेंट फंड

हर वर्ष 10% बढ़ाएं एसआईपी कंपाउंडिंग की ताकत से तैयार होगा बड़ा कॉर्पस

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने के लिए हमेशा मोटी सैलरी होना जरूरी नहीं है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निवेशक कम उम्र में नियमित निवेश शुरू करे, हर साल निवेश बढ़ाता रहे और लंबी अवधि तक अनुशासन बनाए रखे, तो छोटी-सी एसआईपी भी करोड़ों रुपये का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकती है। इसके बाद उसी फंड से सिस्टेमैटिक विद्राईल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के जरिए हर महीने नियमित आय भी प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, एसआईपी और एसडब्ल्यूपी एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां एसआईपी नौकरी के दौरान धीरे-धीरे संपत्ति बनाने का माध्यम है, वहीं एसडब्ल्यूपी रिटायरमेंट के बाद उसी संपत्ति को नियमित मासिक आय में बदलने का तरीका है। यदि दोनों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो व्यक्ति बिना आर्थिक तनाव के रिटायरमेंट का जीवन बिता सकता है।

कैसे काम करती है एसआईपी+ एसडब्ल्यूपी रणनीति

मान लीजिए कोई व्यक्ति 28 वर्ष की उम्र में नौकरी शुरू करता है और हर महीने केवल 1,000 की एसआईपी शुरू करता है। वह अपनी आय बढ़ने के साथ हर साल एसआईपी की राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है और 60 वर्ष की उम्र तक लगातार निवेश करता रहता है।

इस उदाहरण से समझें

- निवेश शुरू करने की आयु : 28 वर्ष
- शुरुआती एसआईपी : 1,000 प्रति माह
- हर साल एसआईपी में बढ़ोतरी : 10%
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 12%
- निवेश अवधि : 32 वर्ष

यह भी जानें

- कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये
- कुल लाभ : लगभग 80.98 लाख रुपये
- रानी निवेशक ने करीब 24 लाख रुपये जमा किए, लेकिन कंपाउंडिंग और नियमित निवेश बढ़ाने की वजह से रिटायरमेंट तक उसका फंड एक करोड़ रुपये से अधिक हो गया।



असली ताकत है स्टेप अप एसआईपी

इस उदाहरण की सबसे महत्वपूर्ण बात 1,000 रुपये की शुरुआती एसआईपी नहीं, बल्कि हर साल उसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अधिकांश लोगों की आय समय के साथ बढ़ती है। यदि वे हर साल अपनी एसआईपी भी बढ़ाते रहें तो बिना अतिरिक्त आर्थिक दबाव के बड़ी पूंजी तैयार की जा सकती है। यदि एसआईपी की राशि पूरे 32 वर्षों तक 1,000 रुपये ही रखी जाए तो एक करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। इसलिए हर वक़्त वृद्धि के साथ एसआईपी बढ़ाने की आदत लंबी अवधि में लाखों रुपये का अतिरिक्त लाभ दिला सकती है।

क्या 12% रिटर्न की उम्मीद वाजिब है?

- इस उदाहरण में 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न केवल गणना के लिए लिया गया है। यह कोई गारंटीड रिटर्न नहीं है।
- हालांकि पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि फ्लेक्सि कैप, मल्टी कैप, लार्ज कैप मिडकैप और कई इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने लंबी अवधि में लगभग इसी स्तर या इससे अधिक का औसत रिटर्न दिया है। हालांकि बाजार जोखिम हमेशा बना रहता है और किसी भी वर्ष रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है।

रिटायरमेंट बाद कैसे मिलेगी हर माह आय

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है नियमित आय का स्रोत बनाए रखना। यही काम एसडब्ल्यूपी करता है। मान लीजिए रिटायरमेंट के समय निवेशक के पास 1.50 करोड़ रुपये का फंड है और वह इसे किसी मॉडियन ड्रूपरेशन डेट फंड या कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश करता है।

यदि निम्नलिखित माप्यताएं ली जाएं

- निवेश राशि : 1.50 करोड़ रुपये
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 6%
- मासिक निकासी : 1 लाख
- निकासी अवधि : 12 वर्ष
- इस अवधि में कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये
- निकासी के दौरान अर्जित लाभ: लगभग 43.13 लाख रुपये
- 12 वर्ष बाद बची राशि : लगभग 4.13 लाख रुपये
- इस तरह निवेशक पूरे 12 वर्षों तक हर महीने 1 लाख प्राप्त कर सकता है, जबकि शेष राशि निवेशित रहकर रिटर्न भी अर्जित करती रहती है।

एसडब्ल्यूपी क्यों है बेहतर विकल्प

यदि रिटायरमेंट के समय पूरी राशि एक साथ निकाल ली जाए तो उसके जल्दी खरिद होने का खतरा रहता है। इसके विपरीत एसडब्ल्यूपी में

केवल जरूरत के अनुसार हर महीने निश्चित राशि निकाली जाती है और बाकी पैसा निवेशित रहता है। इससे फंड अधिक समय तक चलता है और नियमित आय भी मिलती रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार एसडब्ल्यूपी पारंपरिक पेंशन की तरह नियमित नकदी प्रवाह उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

किन बातों का रखें ध्यान

- हिविटी में 12% और डेट फंड में 6% रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती।
- रिटायरमेंट के नजदीक आते समय पोर्टफोलियो में जोखिम धीरे-धीरे कम करना चाहिए।
- महंगाई को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट फंड का लक्ष्य तय करें।
- एसडब्ल्यूपी की मासिक राशि अपने खर्च और उपलब्ध कॉर्पस के अनुसार निर्धारित करें।
- समय-समय पर निवेश की समीक्षा करते रहें।

ऐसे समझें पूरा गणित

- शुरुआती चरण
 - शुरुआत : 28 वर्ष की आयु
 - मासिक एसआईपी : 1,000 रुपये
 - हर साल बढ़ोतरी : 10%
 - अवधि : 32 वर्ष
 - अनुमानित रिटर्न : 12%
 - कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये
 - अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये
- एसडब्ल्यूपी चरण
 - शुरुआती फंड : 1.50 करोड़ रुपये
 - अनुमानित रिटर्न : 6%
 - मासिक निकासी : 1 लाख रुपये
 - अवधि : 12 वर्ष
 - कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये